nwda.gov.in

आधुनिक एसटीपी से नदी का जल होगा स्वच्छ

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली: दिल्ली के आठ सीवरेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) का उन्नयन और क्षमता विस्तार होने से यमुना को साफ करने में मदद मिलेगी। इन एसटीपी से उपचारित पानी का जैव रसायन आक्सीजन मांग (बीओडी) 10 मिलीग्राम प्रति लीटर होगा। कई अनधिकृत कालोनियों व गांवों में सीवर लाइन नहीं होने से भी नदी में प्रदूषण हो रहा है। इन स्थानों पर सीवर लाइन बिछाने के काम में तेजी लाई जा रही है।

यमुना में प्रदूषण का एक बड़ा कारण इसमें गिरने वाले नालों का गंदा पानी है। नालों का पानी साफ करने के लिए 37 एसटीपी हैं लेकिन उसमें से अधिकांश क्षमता व मानक के अनुसार काम नहीं करते हैं। इनका उन्नयन कार्य चल रहा है। एनजीटी के आदेश पर वर्ष 2015 में 18 एसटीपी के उन्नयन का प्रस्ताव तैयार हुआ था। दिसंबर 2017 तक यह काम होना था, लेकिन अभी तक पूरा नहीं हुआ। रिठाला फेज-2, पप्पनकलां, निलोठी का उन्नयन किया गया था। आठ अन्य का उन्नयन कार्य पूरा होने के बाद बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उद्घाटन किया। ओखला फेज-5, घिटोरनी, वसंत कुंज, यमुना विहार फेज-1, केशवपुर फेज-1 और यमुना विहार फेज-3 एसटीपी का उन्नयन कार्य अगले वर्ष दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, यमुना को साफ करने के लिए सभी नालों के पानी को एसटीपी तक लाकर साफ किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक नाले का ड्रोन सर्वे किया गया है। इस काम में दिल्ली को केंद्र सरकार से आर्थिक सहायता मिल रही है। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा, पहले के एसटीपी 30 मिलीग्राम प्रति लीटर बीओडी के मानक पर बने हुए थे। अब सभी 10 के मानक पर बन रहे हैं। सभी पुराने एसटीपी का भी इसी मानक के अनुसार उन्नयन किया जा रहा है।

8 एसटीपी का किया गया उन्नयन, बीओडी में होगा सुधार

<< गंदी यमुना अब शायद साफ हो पाए ● आर्काइव

उन्नयन व क्षमता विस्तार के बाद आठ एसटीपी का उद्घाटन

एसटीपी	उन्नयन एवं क्षमता विस्तार	खर्च (रुपये)
केशोपुर फेज 2 एवं 3	40 एमजीडी से 60 एमजीडी	504.12 करोड़
कोंडली फेज 4	45 एमजीडी	288.38 करोड़
रोहिणी	15 एमजीडी से 25 एमजीडी	147.06 करोड़
कोरोनेशन पिलर फेज 1 एवं 2	20 एमजीडी	138.38 करोड़
कोरोनेशन पिलर फेज 3	10 एमजीडी	91.79 करोड़
नरेला	10 एमजीडी से 15 एमजीडी	104.15 करोड़
यमुना विहार फेज 2	10 एमजीडी से 15 एमजीडी	78.90 करोड़
नजफगढ़	5 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रति दिन)	63.71 करोड़

पेयजल परियोजनाओं का उद्घाटन

परियोजना	क्षमता	खर्च
पल्ला भूमिगत जलाशय/ बूस्टर पंपिंग स्टेशन	3.71 करोड़ लीटर	45.95 करोड़ रुपये
सिरसपुर जलाशय/ बूस्टर पंपिंग स्टेशन	1.24 करोड़ लीटर	32.65 करोड़ रुपये
बिजवासन भूमिगत जलाशय/बूस्टर पंपिंग स्टेशन	91 लाख लीटर	20.50 करोड़ रुपये

परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ

यमुना विहार, करावल नगर, हसनपुर, ताजपुर खुर्द में सीवर लाइन, रणहौला व गोकुलपुर, कमरुद्दीन नगर, विकासपुरी में सीवर कनेक्शन का शिलान्यास